कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDE-142

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)/
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी
(बी.ए.जी./बी.ए.एच.डी.एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
बी.एच.डी.ई-142 : राष्ट्रीय काव्यधारा

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) वे आर्य ही थे जो कभी अपने लिए जीते न थे,
वे स्वार्थ-रत हो मोह की मदिरा कभी पीते न थे।
संसार के उपकार हित जब जन्म लेते थे सभी,
निश्चेष्ट होकर किस तरह वे बैठ सकते थे कभी ?

(ख)इस शान्त समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो ?
कोकिला बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो ?
कोकिला बोलो तो!

(ग) आज मुक्ति के अरमानों ने
मिलकर यों ललकारा है
ओ सब सोने वालो, जागो,
गूँज रहा नक्कारा है !
कैसी रात ? कहाँ के सपने
यह नव प्रभात पधारा है !
ऐसे हँसते-से प्रभात का
तुम करने सम्मान उठो,
उठो, उठो ओ नंगों भूखों,
ओ मजदूर किसान उठो।

(घ) मेरे नगपति ! मेरे विशाल !
रे, रोक युधिष्ठिर को न यहाँ,
जाने दे उनको स्वर्ग धीर,
पर, फिरा हमें गाण्डीव-गदा

लौटा दे अर्जुन-भीम वीर।
कह दे शंकर से, आज करें
वे प्रलय-नृत्य फिर एक बार।
सारे भारत में गूँज उठे,
हर-हर बम का फिर महोच्चार।

(ङ) बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया गया फिर ठहर गया।
विकराल बज्र-मय बादल-सा,
अरि की सेना पर घहर गया।।
भाला गिर गया, गिरा निशंग,
हर टापों से खन गया अंग।
वैरी-समाज रह गया दंग,
घोड़े का ऐसा देख रंग।।

2. आधुनिक युग का वैचारिक आधार तैयार करने में भारतीय जीवन-दृष्टियों की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 16

3. राष्ट्रीय चेतना से आप क्या समझते/समझती हैं ? स्पष्ट कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अभिव्यक्त नारी सम्मान की भावना को रेखांकित कीजिए। 16

5. माखनलाल चतुर्वेदी का परिचय देते हुए उनके काव्य के रचना-शिल्प की विशेषताओं को उद्‌घाटित कीजिए। 16

6. " 'बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में नवजागरण की अनुगूँज है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

7. रामधारी सिंह 'दिनकर' की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

8. राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से 'हल्दीघाटी' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 16

9. सुभद्राकुमारी चौहान की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए। 16